प्रपत्र:-01

ना का नाम: Improvement and up-gradation of NH-74 (New NH-30) stretch Bareilly to Sitarganj under Bharatmala Pariyojana Lot-4/Package-2 in the of Uttar Pradesh and Uttarakhand

प्रतिवेदन

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MORTH), भारत सरकार ने भारतीय राष्ट्रीय मार्ग प्राधिकरण (NHAI), राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (NHIDCL) लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के माध्यम से सड़क विकास परियोजना की एकयोजना माला परियोजना' का प्रस्ताव दिया है। इस परियोजना का उद्देश्य निर्यात को बढ़ावा देने के मार्गों की तीव्र और सुरक्षित आवाजाही के उद्देश्य से विशेष रूप से आर्थिक गलियारों, सीमा और दूरदराज के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार करना है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) को उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड राज्य में माला परियोजना लॉट-4/पैकेज-2 के तहत बरेली से सितारगंज तक NH-74 (नया NH-30) के सुधार और उन्नयन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का काम सौंपा गया है। उपरोक्त के अनुसरण में, SA Infrastructure Consultant Pvt. Ltd., Noida, UP को डी पी आर तैयार करने के लिए परामर्श सेवाएं करने के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया

परियोजना खंड उत्तर-प्रदेश और उत्तराखंड राज्य में पड़ता है। उत्तरा खंड का कुल क्षेत्रफल ३३ किमी^{2} है, जिसमें से 86% पहाड़ी है और 65% वन से आच्छादित है। राज्यका अधिकांश भाग हिमालय की ऊँची चोटियों और हिमनदों से आच्छादित है।उत्तराखंड हिमालय

वन क्षेत्राधिकारी बाराकोली वन क्षेत्र, सितारगंज तराई पूर्वी प्रभाग, हल्द्वानी

परियोजना निदेशक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजना कार्यान्वयन इकाई, बरेली (उ0प्र0)

अजन्त कुमार शर्मा राजस्व उप निरीक्षक तहसील–सितारगंज

...या के दक्षिणी ढलान परस्थित है, और जलवायु और वनस्पति ऊंचाई के साथ बहुत भिन्न ... उच्चतम ऊंचाई बर्फऔरनंगे चट्टान से ढकी हुई है । उत्तराखंडमें 13 जिले हैं, जिन्हें दो ...गों, कुमाऊं और गढ़वाल में बांटा गया है। प्रत्येक डिवीजन को एक डिवीजनल कमिश्नर ...प्रशासित किया जाता है।उत्तराखंड में 28,508 किमी सड़कें हैं, जिनमें से 1,328 किमी ...य राजमार्ग हैं।

बरेली से सितारगंज शुरुआती चै. 0+000 मुंडियां अहमदनगर है और चै. 64+60 सितारगंज ... के पास समाप्त होता है। सितारगंज बाईपास शुरुआती चै. 0+000 ढाढा है और चै. ... परचिका घाट के पास समाप्त होता है।प्रस्तावित सड़क की लंबाई 70.860 किमी है।

...वित राष्ट्रीय राजमार्ग के कारण अपेक्षित लाभ निम्नलिखित हैं:

बेहतर सवारी गुणवत्ता और सुगम यातायात प्रवाह के मामले में बेहतर स्तर की सेवा।

तेज परिवहन से अंततः वाहनों की टूट-फूट में कमी, वाहन परिचालन लागत (वीओसी) में कमी और परिवहन लागत में कुल कमी आदि के रूप में भारी बचत होगी।

सड़क की सतह में सुधार के साथ, वाहनों की बाधित आवाजाही के कारण यातायात की भीड़ कम हो जाएगी औरइस प्रकार वाहनों से ईंधन उत्सर्जन की बर्बादी कम हो जाएगी।

सड़क भूनिर्माण और सुरक्षा सुविधाओं में वृद्धि।

ग्रामीण और शहरी आबादी के बीच बेहतर संपर्क जिससे समाज के सभी वर्गों जैसे सामान्य आबादी, लघु-मध्यम-बड़े उद्योगों, किसानों, व्यापारियों आदि को लाभ होगा।

उच्च शिक्षा सुविधाओं और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं तक बेहतर पहुंच।

ग्रामीण और शहरी दोनों अर्थव्यवस्थाओं का सुदढ़ीकरण जो बदले में राज्य और देश के आर्थिक परिदृस्य में सुधार करेगा ।

बेहतर सड़क संपर्क सरकारी योजनाओं के बेहतर कार्यान्वयन और प्रबंधन में मदद करता है।

अजन्त कुमार शर्मा
राजस्व उप निरीक्षक
तहसील-सितारगंज

वन क्षेत्राधिकारी
बाराकोली वन क्षेत्र, सितारगंज
तराई पूर्वी प्रभाग, हल्द्वानी

परियोजना निदेशक
भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
परियोजना कार्यान्वयन इकाई, बरेली (उ0प्र0)

- अर्थव्यवस्था में सुधार के साथ रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे।
- क्षेत्र का समग्र सुधार।

अजन्त कुमार शर्मा
राजस्व उप निरीक्षक
तहसील–सितारगंज

वन क्षेत्राधिकारी
बाराकोली वन क्षेत्र, सितारगंज
तराई पूर्वी प्रभाग, हल्द्वानी

परियोजना निदेशक
भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
परियोजना कार्यान्वयन इकाई, बरेली (उ०प्र०)